ओ थारी बोली पे मर जाऊ मारा सावंरिया राजस्थानी भजन

ओ थारी बोली पे मर जाऊ मारा सावंरिया,
ओ थारी बोली पे मर जाऊ मारा गिरधारी,
ओ मोहन थारो मारो प्यार जाणे है दुनिया।bd।

तर्ज – घूमर।

ओ मुझे मम्मी लडे है मुझे पापा लड़े,
ओ तेरे बिना जिया नही लागे सावंरिया,
ओ थारी बोली पे मर जाऊ मारा सावंरिया।bd।

ओ मेरे भईया लड़े है मेरी भाभी लड़े,
ओ मेरी बिगड़ी बना दे मेरे सावंरिया,
ओ कान्हा तेरा मेरा प्यार जले है दुनिया,
ओ थारी बोली पे मर जाऊ मारा सावंरिया।bd।

ओ मेरी सास लड़े मेरा ससुर लड़े,
ओ तेरी भोली सी सूरत पे मेरा दिल रह ग्या,
ओ कान्हा तेरा मेरा प्यार जले है दुनिया,
ओ थारी बोली पे मर जाऊ मारा सावंरिया।bd।

ओ थारी बोली पे मर जाऊ मारा सावंरिया,
ओ थारी बोली पे मर जाऊ मारा गिरधारी,
ओ मोहन थारो मारो प्यार जाणे है दुनिया।bd।

ओ थारी बोली पे मर जाऊ मारा सावंरिया,
ओ थारी बोली पे मर जाऊ मारा गिरधारी,
ओ मोहन थारो मारो प्यार जाणे है दुनिया।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
सिंगर राज मेवाड़ी
मोबाइल नम्बर 9950916269
भीलवाड़ा (राजस्थान)

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

Video Not Available.

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com